ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-06-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-06-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-06-25	2022-06-26	2022-06-27	2022-06-28	2022-06-29
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	41.0	42.0	42.0	42.0
न्यूनतम तापमान(से.)	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	23	32	38	48	50
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	11	11	12	13	24
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11.0	20.0	20.0	32.0	35.0
पवन दिशा (डिग्री)	206	268	267	241	233
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	7	3	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना हैं। आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 41.0 से 42.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 28.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वसनीय स्रोतों से बाजरा, मूंगफली, मूंग, ग्वार, मोठ एवं तिल के उन्नत बीजो की व्यवस्था कर ले ताकि मानसून के आते ही बुवाई कर सके।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में आसमान में आंशिक बादल छायें रहने के साथ तापमान में वृद्धि होने की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
तिल	तिल की बुवाई के लिए उन्नत किस्मों के बीज आर.टी-46, आर.टी-372, आर.टी-351, आर.टी-127, आर.टी-346 की व्यवस्था करें।
बाजरा	बाजरा की बुवाई के लिए एम.पी.एम.एच-21, एम.पी.एम.एच-17, जी.एच.बी-905, एच.एच.बी-67(इम्प्रूड), सी.जेड.पी-9802, आर.एच.बी-177, एच.एच.बी-197 व बी.एच.बी-1202 उन्नत किस्मों के बीज की व्यवस्था करें । बुवाई के लिए चार किलो बीज प्रति हैक्टेयर लें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मूँग	मूंग की बुवाई का उपयुक्त समय मध्य जुलाई तक है अतः किसान भाई उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, आई.पी.एम-02-3, एम.एच-2-15, एस.एम.एल-668, आर.एम.जी-62, जी.एम-4, जी.एम-5, जी.एम-6, की व्यवस्था करें।
ग्वारफली	ग्वार की बुवाई का उपयुक्त समय मध्य जुलाई तक है अतः उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें। ग्वार की उन्नत किस्मों जैसे आर.जी.सी.-936, आर.जी.सी-1033, एच.जी-2-20, आर.जी.सी-1038 व आर.जी.एम-112 की व्यवस्था करें।
कपास	कपास की फसल में निराई गुडाई कर खरपतवार निकालें तथा मृदा नमी संरक्षित करें।